सत्यमेव जयते

बिहार विधान परिषद्

191वां सत्र

तारांकित प्रश्न

वर्ग-2

23 माघ 1940 (श.)

मंगलवार, तिथि ------------------------------

12 फरवरी, 2019 ई.

प्रश्नों की कुल संख्या - 28

1.	स्वास्थ्य विभाग	---	---	14
2.	गन्ना उद्योग विभाग	---	---	02
3.	लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग	---	---	07
4.	ऊर्जा विभाग	---	---	04
5.	उद्योग विभाग	---	---	01

		कुल प्रश्न		28

समुचित इलाज

1. **प्रो. नवल किशोर यादव** : क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि अस्पतालों में भर्ती मरीजों की समस्या का समाधान करना अस्पताल प्रशासन का दायित्व है;

(ख) क्या यह सही है कि दिसंबर 18 जनवरी, 2019 में ठंड का प्रकोप बढ़ गया है, किन्तु एन.एम.सी.एच. में भर्ती मरीजों को अबतक ठंड से बचाने के लिए अस्पताल प्रशासन की ओर से कोई पहल नहीं की गई है, जिससे मरीज के परिजन, स्वयं कंबल तक का इंतजाम करने के लिए विवश है;

(क) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं तो क्या सरकार अस्पताल में भर्ती बाढ़, मोकामा और आरा के मरीजों का समुचित इलाज के साथ कंबल मुहैया कराने का विचार रखती है, यदि नहीं तो क्यों ?

गन्ना मुल्य में वृद्धि

2. **श्री दिलीप राय** : क्या मंत्री, गन्ना उद्योग विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि वर्ष 2018-19 में पेराई सत्र के लिए गन्ना का परामर्शी मूल्य अभी तक तय नहीं किया गया है;

(ख) क्या यह सही है कि डीजल, बिजली, उर्वरक तथा मजदूरी की दरों में भारी वृद्धि से गन्ना खेती की लागत बढ़ी है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं तो क्या सरकार गन्ना मूल्य में बढ़ोत्तरी करने का विचार रखती है, यदि हां तो कबतक ?

दवा की कीमतों में एकरूपता

3. **श्री शिव प्रसन्न यादव** : क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि पटना के विभिन्न दवा दुकानों में एक ही दवा का मूल्य अलग-अलग लिया जाता है;

(ख) क्या यह सही है कि सभी दवा दुकानों में दवा की कीमतों में एकरूपता लाने के संबंध में सरकार के पास अब तक कोई ठोस नीति उपलब्ध नहीं है जिससे दवा दुकानदारों की मनमानी चलती है;

(ग) यदि उपरोक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं तो क्या सरकार एक नीतिगत निर्णय के तहत ऐसा प्रावधान लागू कर सकती है कि हर दवा दुकान में दवा की कीमतों में एकरूपता बरकरार रहे, यदि हां तो कबतक ?

बेहतर इलाज

4. **श्री संजीव कुमार सिंह** : क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि राज्य के आम नागरिकों के हित में स्वास्थ्य सुविधा के तहत होमियोपैथी एवं आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति को वृहद स्तर पर बढ़ावा देना चाहती है;

(ख) क्या यह सही है कि उक्त दोनों चिकित्सा पद्धति अमूमन जांच आधारित नहीं होकर रोग लक्षण के आधार पर होता है;

(ग) यदि उपरोक्त दोनों खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक है तो क्या सरकार वर्णित दोनों प्रकार की सस्ती चिकित्सा पद्धति से भी आम आदमी का बेहतर इलाज कराना चाहती है, नहीं तो क्यों?

जल की आपूर्ति

5. **श्री केदार नाथ पाण्डेय** : क्या मंत्री, लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि बेगूसराय जिलान्तर्गत भगवानपुर प्रखंड के रसलपुर पंचायत क्षेत्राधीन भगवानपुर गांव में पेयजल आपूर्ति हेतु बोरिंग वर्षों पहले गाड़ा गया है परन्तु जल मीनार का निर्माण आजतक नहीं हो सका है;

(ख) क्या यह सही है कि उक्त बोरिंग भगवानपुर गांव के वार्ड संख्या-1 से 5 तक में जलापूर्ति के लिए किया गया था परन्तु संवेदक एवं पदाधिकारियों की मिली भगत से वार्ड संख्या-1, 2 एवं 3 को छोड़ दिया गया है;

(ग) क्या यह सही है कि रसलपुर पंचायत के वार्ड संख्या-1, 2, 3 में आज तक हर घर नल का जल योजना को लागू नहीं किया गया है जबकि दस वर्ष पूर्व ही बोरिंग गाड़ा जा चुका है;

(घ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं तो सरकार खंड 'क' में वर्णित स्थान पर जल मीनार का निर्माण करते हुए भगवानपुर गांव के वार्ड संख्या-1, 2 एवं 3 में नल के जल की आपूर्ति कबतक करना चाहती है ?

अनुशंसा पर चापाकल

6. **श्री राधाचरण साह** एवं **श्री संजय प्रकाश** : क्या मंत्री, लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि वित्तीय वर्ष 2018-19 में राज्य में 275 प्रखंड सूखाग्रस्त घोषित हुआ है;

(ख) क्या यह सही है कि सूखाग्रस्त घोषित क्षेत्र में पानी की किल्लत नहीं हो इसके लिए सभी प्रखंड में 150 चापाकल गाड़े जाएंगे;

(ग) क्या यह सही है कि उक्त प्रखंड में किनकी अनुशंसा पर चापाकल गाड़ने का निर्देश दिया गया है;

(घ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं तो सरकार सदस्य, बिहार विधान परिषद् की अनुशंसा पर चापाकल गड़वाने पर विचार रखती है,यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों?

चालान एवं मुल्य का भुगतान

7. **श्री राजेश राम** : क्या मंत्री, गन्ना उद्योग विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि पश्चिमी चम्पारण जिले में चीनी मिल प्रखंड बगहा, हरिनगर, लौरिया एवं नरकटियागंज अवस्थित है;

(ख) क्या यह सही है कि पश्चिमी चम्पारण जिलान्तर्गत अवस्थित चारों चीनी मिलों में गन्ना की पेराई प्रारम्भ है;

(ग) क्या यह सही है कि पश्चिमी चम्पारण जिला के किसानों को चीनी मिलों में गन्ना आपूर्ति करने के लिए चालान समय पर नहीं मिल पा रहा है, जिसके कारण गन्ना किसानों को रबी एवं दलहन की खेती से वंचित होना पड़ रहा है;

(घ) क्या यह सही है कि उक्त जिला के गन्ना किसानों द्वारा आपूर्ति किये गये गन्ना मूल्य का भुगतान नियम के तहत नहीं किया जा रहा है, जिससे गन्ना किसानों में काफी रोष व्याप्त है;

(ङ) यदि उपरोक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं तो क्या सरकार छोटे एवं मध्यम गन्ना किसानों को चीनी मिलों में गन्ना आपूर्ति हेतु चालान एवं मूल्य का भुगतान नियमानुसार कराना चाहती है, यदि हां तो कबतक ?

पेयजल की व्यवस्था

8. **श्री रामचन्द्र पूर्वे** : क्या मंत्री, लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि राज्य के 9 लाख चापाकलों में से 70 हजार चापाकल विगत दस वर्षों से बंद पड़े हुए हैं जिसके चलते पेयजल का घोर संकट उत्पन्न हो गया है;

(ख) क्या यह सही है कि चालू चापाकलों में से अधिकांश चापाकलों से पेयजल नहीं के बराबर निकलता है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार जनहित में बंद पड़े चापाकलों को दुरुस्त करने के साथ-साथ कम पानी देने वाले चापाकल को बदलकर इंडिया मार्का-2 व इंडिया मार्का-3 चापाकल लगाने का विचार रखती है, यदि हां तो कबतक ?

विद्युत पोल की व्यवस्था

9. **श्री रामईश्वर महतो** : क्या मंत्री, ऊर्जा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि राज्य सरकार द्वारा बिहार के सभी गांव में घर-घर बिजली का मीटर लगाकर विद्युत आपूर्ति कार्य चल रहा है;

(ख) क्या यह सही है कि सीतामढ़ी जिला के डुमरा प्रखंड अन्तर्गत ग्राम-रमना भासर, पंचायत-भासर मच्छाहा उत्तरी की आबादी लगभग 1500 है, जिसमें विद्युत आपूर्ति का कार्य बिना ट्रांसफार्मर एवं जहां-तहां पोल गाड़ कर किया गया है;

(ग) क्या यह सही है कि ट्रांसफार्मर नहीं रहने के कारण उपभोक्ताओं को बिजली सुचारु रूप से नहीं मिल पा रही है;

(घ) यदि उपरोक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं तो क्या सरकार ग्राम-रमना भासर, पंचायत-भासर मच्छाहा उत्तरी में सुचारु रूप से बिजली की आपूर्ति हेतु ट्रांसफार्मर लगाने के साथ-साथ जहां तहां गाड़े गए पोल को व्यवस्थित करना चाहती है, यदि हां तो कबतक ?

आवश्यक कार्रवाई

10. **श्री राम लषण राम 'रमण'** : क्या मंत्री, लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि सीवान जिलान्तर्गत रघुनाथपुर प्रखंड के ग्राम – फुलबरिया में वर्ष 2011-12 में जलमीनार बनाने की योजना शुरू की गयी थी;

(ख) क्या यह सही है कि जलमीनार के लिए बोरिंग हो चुका है, परन्तु आज तक न तो जलमीनार बना न ही आम नागरिकों को जलापूर्ति शुरू हुई;

(ग) क्या यह सही है कि जिस एजेन्सी ने कार्य लिया था, वह कार्य छोड़कर भाग गयी है;

(घ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं तो सरकार उक्त जलमीनार निर्माण का अधूरा कार्य कबतक पूरा करेगी तथा दोषी एजेन्सी एवं स्थानीय संबंधित पदाधिकारियों के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई करना चाहती है, यदि हां तो कबतक ?

आदेश का अनुपालन

11. **प्रो. संजय कुमार सिंह** : क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि लोकायुक्त बिहार, पटना के पत्रांक-10271 (लो.) दिनांक-24.11.2017 एवं स्था. विभाग के पत्रांक-264 (9) दिनांक-20.03.2018 के द्वारा दिये गये निदेश के अनुपालन में सिविल सर्जन, भोजपुर के पत्रांक-2597, दिनांक-30.06.2018 के द्वारा श्रीमती संगीता कुमारी, ए.एन.एम., प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र अगिआंव का स्थानान्तरण प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, सदर प्रखंड आरा में किया गया है;

(ख) क्या यह सही है कि सिविल सर्जन, भोजपुर के द्वारा प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी को स्थानान्तरित ए.एन.एम. को सात दिनों के अंदर विरमित करने का आदेश था, जो अभी तक विरमित नहीं किया गया है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं तो सरकार उपरोक्त आदेश का अबतक अनुपालन नहीं करने का क्या औचित्य है तथा क्या सरकार खंड 'क' एवं 'ख' में वर्णित आदेश का अनुपालन करना चाहती है, यदि हां तो कबतक ?

कैडर संरचना

12. **श्री रामचन्द्र भारती** : क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि आई.जी.आई.एम.एस., पटना में ए.आई.आई. एम.एस., नई दिल्ली के नियमानुसार नियुक्ति, प्रोन्नति वेतनादि एवं कैडर विभाजन किया जाता है;

(ख) क्या यह सही है कि ए.आई.आई.एम.एस., नई दिल्ली अपने लैब कर्मी को पत्रांक-एफ.-9-34/2008 Estt (Rct) PF दिनांक-2.4.2016 द्वारा कैडर और पेय स्ट्रक्चर का रिभिजन किया गया है;

(ग) क्या यह सही है कि आई.जी.आई.एम.एस. निदेशक द्वारा सात माह पहले ही ए.आई.आई.एम.एस. के अनुरूप वेतन एवं पदनाम पुनरीक्षण के लिए समिति का गठन किया है;

(घ) यदि उपरोक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार ए.आई.आई. एम.एस., नई दिल्ली के अनुरूप आई.जी.आई.एम.एस., पटना में लैब कर्मी को भी कैडर संरचना एवं वेतन संरचना का लाभ देना चाहती है, यदि हां तो कबतक ?

भवन का निर्माण

13. **श्री संजीव श्याम सिंह** : क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि गया जिला के डुमरिया प्रखंड के नारायणपुर पंचायत के ग्राम – रामपुर में विगत 30 वर्षों से स्वास्थ्य उपकेन्द्र स्वीकृत है किन्तु भवन नहीं रहने के कारण किराये के भवन में स्वास्थ्य उपकेन्द्र संचालित हो रहा है;

(ख) यदि उपरोक्त खंड 'क' का उत्तर स्वीकारात्मक है, तो क्या सरकार उक्त स्वास्थ्य केन्द्र का अपना भवन बनवाने का विचार रखती है, यदि हां तो कबतक?

खतरा से निजात

14. **श्री रामवचन राय** : क्या मंत्री, ऊर्जा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि सासाराम जिलान्तर्गत विक्रमगंज बाजार का तेंदुनी चौक अतिव्यस्त है;

(ख) क्या यह सही है कि उक्त चौक से आरा से सासाराम एवं नासरीगंज से मलियाबाग (डुमरांव) के लिए भारी वाहनों का आना-जाना है;

(ग) क्या यह सही है कि तेंदुनी चौक के चारों ओर हाइटेंशन एवं थ्री फेज बिजली का ओपेन तार लगा हुआ है तथा थ्री फेज बिजली का ओपेन तार पेड़ – पौधों के बीच से गुजने के चलते आम नागरिकों एवं बाजार के स्थानीय निवासियों के लिए हमेशा खतरा बना रहता है;

(घ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार जनहित में उक्त चौक पर लगे ओपेन तारों को कवर करने का विचार रखती है, यदि हां तो कबतक ?

हाट बंद से नुकसान

15. **श्री संजय प्रकाश** : क्या मंत्री, उद्योग विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि पटना हाट का गांधी मैदान केन्द्र बंद हो गया एवं पटना औद्योगिक क्षेत्र स्थित पटना हाट बंद होने की ओर अग्रसर है;

(ख) क्या यह सही है कि शिल्पियों के लिए अपना खर्च निकालना मुश्किल होता जा रहा है एवं सरकारी घाटा भी ज्यादा है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो इसके प्रोत्साहन हेतु सरकार कौन-कौन सी पहल कर रही है ?

स्वास्थ्य उपकेन्द्र की व्यवस्था

16. **श्री टुनजी पाण्डेय** : क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि माननीय मंत्री जी के द्वारा एक साल पूर्व सिवान जिले के सिसवन प्रखंड में प्राथमिक स्वास्थ्य उपकेन्द्र खोलने की घोषणा की गई थी;

(ख) क्या यह सही है कि एक साल बीत जाने के बाद भी चैनपुर सिसवन में प्राथमिक स्वास्थ्य उपकेन्द्र में कार्य प्रारंभ नहीं हुआ है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार चैनपुर में प्राथमिक स्वास्थ्य उपकेन्द्र खोलना चाहती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों?

प्रशिक्षकों की नियुक्ति

17. **श्री मो. तनवीर अख्तर** : क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि विभाग के राज्य के विभिन्न सिविल सर्जनों द्वारा नियुक्त स्वास्थ्य प्रशिक्षकों की नियुक्ति को माननीय उच्चतम न्यायालय द्वारा सिविल अपील संख्या-8690/18 एवं रोनालोग्स केसेज में दिनांक-30;11.2018 को अपने निर्णय द्वारा अवैध बताया गया है;

(ख) क्या यह सही है कि समान रूप से सिविल सर्जनों द्वारा नियुक्त 81 (इक्कासी) स्वास्थ्य प्रशिक्षकों को स्वास्थ्य विभाग द्वारा चिन्हित किया गया जो अभी तक कार्यरत हैं;

(ग) यदि उपरोक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं तो सरकार बताएगी कि अबतक चिन्हित किए गए स्वास्थ्य प्रशिक्षकों के विरुद्ध क्यों नहीं कार्रवाई की गयी ?

पेयजल की व्यवस्था

18. **श्री सुनील कुमार सिंह** : क्या मंत्री, लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि दरभंगा जिला अन्तर्गत बिरौल प्रखंड के सुपौल बाजार में बने जल मीनार (लगभग 2 वर्ष पूर्व) से बड़ी आबादी को शुद्ध पेयजल का लाभ नहीं मिल पा रही है;

(ख) क्या यह सही है कि 5 करोड़ 50 लाख रुपये की राशि से बने इस जल मीनार में कमीशनखोरी के कारण इसका पाइप समुचित ढंग से नहीं बिछाया गया है, जिसके कारण जहां-तहां जल का बहाव हो रहा है;

(ग) क्या यह सही है कि इसके कारण 10 गांव की जनता को शुद्ध पेयजल नहीं मिलने के कारण खरीदकर पानी पीना पड़ रहा है;

(घ) यदि उपरोक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार उक्त महत्वाकांक्षी योजना में गड़बड़ी हेतु दोषी ठेकेदार एवं अधिकारियों पर कार्रवाई करते हुए इसको सही कराने की मंशा रखती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों ?

आधुनिक सुविधा

19. **श्री शिवप्रसन्न यादव** : क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि पटना मुख्यालय स्थित सरकारी अस्पतालों में जिस प्रकार मरीजों के इलाज हेतु आधुनिक सुविधा उपलब्ध है वैसी व्यवस्था राज्य के अन्य जिला के सरकारी अस्पतालों में उपलब्ध नहीं है;

(ख) क्या यह सही है कि राजधानी पटना में विभिन्न रोगों के इलाज हेतु कई सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल खोले गए हैं और कई खुलने वाले हैं;

(ग) यदि उपरोक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं तो क्या सरकार एक समय सीमा के अंदर राज्य के अन्य जिलों के साथ सिवान सदर अस्पताल में भी मरीजों के इलाज हेतु सभी विभागों में आधुनिक सुविधा के विशेषज्ञ चिकित्सकों की सुविधा उपलब्ध कराना चाहती है, यदि हां तो कबतक ?

आवागमन में कठिनाई

20. **श्री केदार नाथ पाण्डेय** : क्या मंत्री, ऊर्जा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि बेगूसराय जिलान्तर्गत भगवानपुर प्रखंड के भगवानपुर गांव में इन्सुलेटेड कवर्ड तार लगाया जा चुका है और पूरे गांव में उसी के माध्यम से विद्युत आपूति होती है;

(ख) क्या यह सही है कि पुराना खुला तार एवं पोल अब भी लगा हुआ है और उसमें भी विद्युत प्रवाहित हो रही है;

(ग) क्या यह सही है कि गांव के संकरे रास्ते में दो-दो पोल एक ही जगह गाड़े जाने से जहां आवागमन में कठिनाई होती है वहीं खुले विद्युत तार के कारण विद्युत क्षति भी हो रही है;

(घ) यदि उक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं तो सरकार भगवानपुर गांव से नंगे तार एवं अनावश्यक पोल को कबतक हटाना चाहती है ?

एक्सरे मशीन की व्यवस्था

21. **श्री राधाचरण साह** : क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि बिहार डेंटल कॉलेज एंड अस्पताल में दांत के रूट का इंप्लांट होता है;

(ख) क्या यह सही है कि पिछले 6 वर्ष से खराब पड़ी ओपीजी एक्सरे मशीन की न तो मरम्मत की गई है और न ही नई मशीन खरीदी गई है;

(ग) क्या यह सही है कि मोबाईल डेंटल वैन की भी सुविधा नहीं है, जबड़े के सभी तरह के ऑपरेशन में ओपीजी एक्सरे मशीन नहीं होने से परेशानी हो रही है, एक्सरे के लिए अस्पताल से बाहर भटकना पड़ रहा है;

(घ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं तो सरकार कबतक अस्पताल में मोबाईल डेंटल वैन और ओपीजी एक्सरे मशीन की व्यवस्था करना चाहती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों?

नियुक्ति पर विचार

22. **श्री रामचन्द्र भारती** : क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि हृदय सर्जरी में परफ्युजनिस्ट पद पर कार्यरत कर्मचारी की महत्वपूर्ण भूमिका होती है;

(ख) क्या यह सही है कि आई.जी.आई.एम.एस. पटना में परफ्युजनिस्ट पद की आवश्यकता का आधार, नियुक्ति एवं प्रोन्नति नियमावली एम्स, नई दिल्ली के वेतनमान से संबंधित साक्ष्य अभिलेख उपलब्ध कराने के संबंध में स्वास्थ्य विभाग के अवर सचिव द्वारा पत्रांक-919(1) दिनांक-20.8.2018 द्वारा निदेशक आई.जी.आई.एम.एस. पटना को पत्र लिखा गया है;

(ग) यदि उपरोक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार हृदय सर्जरी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले परफ्युजनिस्ट की आई.जी.आई.एम.एस. पटना में नियुक्ति हेतु कार्रवाई करेगी, यदि हां तो कबतक ?

चापाकल की व्यवस्था

23. **डा. रामवचन राय** : क्या मंत्री, लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि नालन्दा जिलान्तर्गत बिहार शरीफ प्रखंड के ग्राम पंचायत तेतरावां के ग्राम-तेतरावां (गढ़पर) सुधीर प्रसाद के घर के पास लगा हुआ चापाकल महीनों से खराब पड़ा है, इस चापाकल से लगभग 50 घरों की आबादी को पानी उपलब्ध हो रहा था;

(ख) क्या यह सही है कि पानी नहीं मिलने के कारण मुहल्लावासियों को काफी कठिनाई हो रही है तथा पानी के लिए हाहाकार मचा हुआ है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार खंड 'क' में वर्णित चापाकल की मरम्मत कराने अथवा उक्त स्थल पर चापाकल गाड़ने का विचार रखती है, यदि हां तो कबतक?

वैधानिक कार्रवाई

24. **प्रो. संजय कुमार सिंह** : क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, पिरौटा, सदर प्रखंड आरा का भवन मरम्मती, सामग्रियों का क्रय, शौचालय का निर्माण एवं अन्य आवश्यक कार्य कराने के लिए रोगी कल्याण समिति की बैठक में निर्णय लिया गया था;

(ख) क्या यह सही है कि अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी, आरा के कार्यालय में सम्प्रति पदस्थापित लिपिक श्री आलोक कुमार ने खंड 'क' में वर्णित सभी कार्यों का भुगतान बगैर किसी वरीय संबंधित पदाधिकारी के आदेश से करा दिया है, जबकि उपर्युक्त वर्णित कार्यों में से एक भी कार्य पूरा नहीं किया गया है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार खंड 'क' में वर्णित कार्यों की उच्चस्तरीय जांच तथा संबंधित कर्मी की संलिप्तता की भी जांच कराकर वैधानिक कार्रवाई करने का विचार रखती है ?

शत प्रतिशत सफलता

25. **श्री संजय प्रकाश** : क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि बिहार में 3500 आबादी पर 1 डॉक्टर है जबकि सरकारी मानकों पर 1000 पर 1 डॉक्टर चाहिए;

(ख) यदि उपर्युक्त खंड 'क' का उत्तर स्वीकारात्मक है, तो बिहार सरकारी मानकों पर खड़ा उतरने एवं स्वास्थ्य सेवा के सुचारु ढंग से चलाने में कबतक शत-प्रतिशत सफल हो सकेगा ?

विद्युत तार-पोल की व्यवस्था

26. **श्री टुनजी पाण्डेय** : क्या मंत्री, ऊर्जा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि सिवान जिला में बिजली के तारों और पोलों की स्थिति जर्जर है;

(ख) क्या यह सही है कि ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली सायंकाल 6.00 बजे से 10.00 बजे तक नहीं रहती है;

(ग) यदि उपरोक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार सिवान में जर्जर बिजली के तारों एवं पुराने पोलों को बदलना चाहती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों ?

पदस्थापन की व्यवस्था

27. **श्री मो. तनवीर अख्तर** : क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि स्वास्थ्य प्रशिक्षक संवर्ग का पुनर्गठन एवं प्रोन्नति हेतु पदों का कर्णांकन स्वास्थ्य विभाग के विभागीय पत्रांक-803(10) दिनांक-14.10.2015 द्वारा किया गया है;

(ख) क्या यह सही है कि उपरोक्त पत्र के आलोक में उपयोगिता के आधार पर मूल एवं प्रोन्नत पदों के लिए संस्थान एवं कार्यालयों को कर्णांकित करने का निर्णय स्वास्थ्य विभाग के विभागीय पत्रांक-217(4) दिनांक-16.2.2017 द्वारा किया गया है;

(ग) यदि उपरोक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं तो सरकार कब तक स्वास्थ्य प्रशिक्षकों को मूल कोटि एवं प्रोन्नति के पदों पर पदस्थापन करना चाहती है, यदि हां तो कबतक?

उचित कदम

28. **श्री सुनील कुमार सिंह** : क्या मंत्री, लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि–

(क) क्या यह सही है कि दरभंगा जिला अन्तर्गत विभिन्न प्रखंडों के कई गांवों में चापाकल का पानी सूखने के कारण वहां घोर जल संकट फैला हुआ है;

(ख) क्या यह सही है कि उन सुथानों पर टैकरों से पानी पहुंचाया जा रहा है;

(ग) क्या यह सही है कि अभी तक उन स्थानों पर पी.एच.ई.डी. विभाग द्वारा किसी भी प्रकार का स्थायी निदान नहीं किया गया है;

(घ) यदि उपरोक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार उन स्थानों पर जल संकट का स्थायी निदान की दिशा में जल्द से जल्द उचित कदम उठाने का विचार रखती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों ?

विनोद कुमार

कार्यकारी सचिव
बिहार विधान परिषद्

पटना
दिनांक-12 फरवरी, 2019